# स्नातकोत्तर भोजपुरी
## सेमेस्टर-4

M.A. (BHO) EC.01 - भोजपुरी भाषा आ साहित्य - 5 क्रेडिट/100अंक

### अंक-विभाजन

समय-3 घंटा पूर्णांक-70

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच में से तीन प्रश्न के उत्तर) | 10×3=30 |
| 2. | लघूत्तरी प्रश्न : (कुल छव में से चार के उत्तर) | 5×4=20 |
| 3. | वस्तुनिष्ठ प्रश्न (दस) | 2×10=20 |
| | | 70 |

आंतरिक मूल्यांकन :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | लिखित परीक्षा (दो प्रश्न) | 7.2×2=15 |
| 2. | गृह कार्य (Assignment) | 05 |
| 3. | संगोष्ठी (सेमिनार)/क्विज | 05 |
| 4. | उपस्थिति / आचरण | 05 |
| | | 30 |

**कुल - 70+30 = 100**

**निर्धारित पाठ्यविषय :**

**इकाई - 1** भोजपुरी भाषा: उद्भव, विकास, नामकरण, ध्वनि प्रकृति, भाव प्रकृति, भोजपुरी शब्द आ वाक्य के रचना, प्रकार आ विशेषता ।

**इकाई - 2** भोजपुरी लोक संस्कृति, फोक आ लोक, भोजपुरी लोक संस्कृति के स्वरूप आ विशेषता, लोक लोक साहित्य आ लोक संस्कृति भोजपुरी लोकगाथा, लोक कथा, लोकगीत, लोक नृत्य, लोक नाटक आ कहाउत मुहावरा ।

**इकाई - 3** भोजपुरी काव्य कलश - डॉ0 जयकान्त सिंह आ डॉ0 ब्रजभूषण मिश्र

पाठ्यांश- वीरेन्द्र मिश्र अमय, तैयब हुसैन पीड़ित, गंगा प्रसाद अरूण, अनिल ओझा नीरद, आसिफ रोहतासवी, अक्षय पाण्डेय, सरोज सिंह, रश्मि प्रियर्शिनी, केशव मोहन पाण्डेय, गुलरेज शहजाद, जे.पी. द्विवेदी संतोष पटेल, जलज कुमार अनुपम।

StudyOrigin.IN

इकाई - 4 भोजपुरी कहानी संग्रह - मु0 सं0- डॉ0 चितरंजन प्रसाद सिन्हा
भोजपुरी अकादमी, पटना

कहानी - परमपद, खेल, सतवन्ती, मछरी, पहिलपाठ, पहना फाटल रहे, देवाल, जनावर, एकदम ।

अथवा

भोजपुरी कथा कहानी- सं0 डॉ0 जयकान्त सिंह आ डॉ0 ब्रजभूषण मिश्र
कहानी- हिन्दू सुग्गा, हम कुन्ती ना हईं, कथा वृक्ष, टरनिंग प्वाइंट, भंडारघर, तेतरी, आबरू ।

इकाई - 5 बिंदिया (उपन्यास) - रामनाथ पाण्डेय
चाहे
कबीर (उपन्यास) - अनिल ओझा 'नीरद'

**सहायक ग्रंथ :**


1. भारतीय आर्यभाषा आ भोजपुरी - डॉ0 जयकान्त सिंह
2. भोजपुरी लोक साहित्य - कृष्ण देव उपाध्याय
3. भोजपुरी कहानी विकास का परंपरा - कृष्णानंद कृष्ण
4. भोजपुरी कथ साहित्य के विकास - विवेनी राय
5. आजु के भोजपुरी साहित्य - डॉ0 रिपुसूदन श्रीवास्तव
6. कसउटी पर भोजपुरी कविता - डॉ0 ब्रजभूषण मिश्र


□□□

StudyOrigin.IN

# स्नातकोत्तर भोजपुरी
## सेमेस्टर-4
## ऐच्छिक/ इलेक्टिव कोर्स ( पत्र )

M.A. (BHO) EC.02 (खंड-क) साहित्यिक निबंध - 5 क्रेडिट/100अंक

1. एह पत्र में दूगो खण्ड रही - 'क' आ 'ख', खण्ड 'क' में भोजपुरी के साहित्यकार लोग अथवा चर्चित कृतियन पर केन्द्रित चार गो विषय दिहल जाई जवना में से कवनो एगो पर परीक्षार्थी के नातिदीर्घ निबन्ध लिखे के होई ।
2. खण्ड 'ख' में भोजपुरी साहित्य के इतिहास भोजपुरी भाषा: उद्भव विकास आ नामकरण भारतीय आ पाश्चात्य काव्यशास्त्र आ भोजपुरी काव्य, भोजपुरी पत्रकारिता, लोक लोक साहित्य आ संस्कृति, गांधी के शिक्षा दर्शन, पर्यावरण आदि से जुड़ल चार गो विषय दिहल जाई, जवना में से कवनो एगो पर परीक्षार्थी के नातिदीर्घ निबन्ध लिखे के होई ।
3. दूनो खण्ड से एक-एक निबन्ध लिखल जरूरी होई ।
4. दूनो निबन्ध 50-50 अंक के होई। प्रत्येक खण्ड में उतीर्णांक 20 अंक होई बाकिर दूनो खंड के मिला के 50 अंक ले आवल जरूरी होई।
5. एह पत्र में कवनो आन्तरिक परीक्षा ना होई।
6. एक पत्र के तैयारी के क्रम में परीक्षार्थी के निबन्ध लेखन के अभ्यास करे के होई।

□□□

StudyOrigin.IN

## सेमेस्टर-4
## ऐच्छिक/ इलेक्टिव कोर्स ( पत्र )

M.A. (BHO) EC.02 (खंड-ख) लघु शोध प्रबंध - 5 क्रेडिट/100अंक

1. एक पत्र में परीक्षार्थी के भोजपुरी भाषा आ साहित्य से सम्बन्धित कवनो विषय पर लगभग 100 पृष्ठ के लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करे के होई ।
2. लघु शोध प्रबंध के विषय के निर्धारण विभागीय परिषद् के सहमति से विभागाध्यक्ष द्वारा कइल जाई।
3. लघु शोध प्रबन्ध लेखन में समुचित मार्ग दर्शन खातिर विभागाध्यक्ष द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के एगो विभागीय शिक्षक के साथे सम्बद्ध कइल जाई, जेकरा के ओह परीक्षार्थी के शोध निर्देशक कहल जाई।
4. लघु शोध प्रबन्ध के परीक्षण 75 अंक में कइल जाई। परीक्षण के उपरांत 25 अंक के मौखिकी होई। परीक्षार्थी के दूनों में उतीर्ण भइल जरूरी होई।

□□□

StudyOrigin.IN